



OFFICIAL PUBLICATION OF  
RAJ STATE BRANCH OF INDIAN MEDICAL ASSOCIATION

# IMA Rajasthan

## E-NEWS LETTER

Year : 1

October 2024

Issue : 7

National Vice President :

**Dr. Ashok Sarda**  
Mob. 9829038266

Jt. Finance Sec. (Hq.) :

**Dr. M. N. Thareja**  
Mob. 9352200001

Imm. Past President :

**Dr. Sunil Chugh**  
Mob. 7230001947

President :

**Dr. Rajnish Sharma**  
Mob. 9829096480

President Elect :

**Dr. M. P. Sharma**  
Mob. 9413378778

Hony. Secretary

**Dr. P. C. Garg**  
Mob. 9414038721

Treasurer :

**Dr. N. K. Agarwal**  
Mob. 9829141006

Chief Editor :

**Dr. S. N. Harsh**  
1-Sadul Colony  
Ambedkar Circle  
Bikaner-334001  
M. : 9414140004  
drsnharsh@gmail.com

### SPECIAL ISSUE ON RAJMEDICON



#### Press conference by Hon. Dr. V. Asokan Sir

#### उमंग में बेहतर चिकित्सा पर चर्चा, 24 डॉक्टरों का सम्मान

आइ.एम.ए. राजस्थान प्रदेश की 27 वीं कॉन्फ्रेंस राजमेडिकोन 2024 का सफल आयोजन आइ.एम.ए. भीलवाड़ा द्वारा होटल 'ग्लोरिया इन' में 26 व 27 अक्टूबर को किया गया। इस प्रदेश स्तरीय कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन 26 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर.वी. असोकन द्वारा, डॉ. रवि वानखेड़कर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. अशोक शारदा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, डॉ. एम.एन. थरेजा, डॉ. वर्षा सिंह प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज, डॉ. रजनीश शर्मा प्रदेश अध्यक्ष, डॉ. एम.पी. शर्मा, डॉ. पी.सी. गर्ग प्रदेश सचिव, डॉ. एन.के. अग्रवाल कोषाध्यक्ष, डॉ. एस.एन. हर्ष, डॉ. रूपसिंह गुर्जर, डॉ. एल.सी. धाका, डॉ. जी.डी. शर्मा, डॉ. दुष्यंत शर्मा आयोजन समिति चेयरमैन, डॉ. आर.एस. सोमानी ब्रांच अध्यक्ष, डॉ. फरियाद मोहम्मद आयोजन सचिव के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा भारत में बेहतर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ चिकित्सकों के अधिकारों की रक्षा के लिए आइ.एम.ए. द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी उपस्थित चिकित्सकों के साथ साझा की। इस दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में सांइटिफिक सत्रों में डॉ. आर.वी. असोकन, डॉ. रवि वानखेड़कर, डॉ. अशोक शारदा, डॉ. मंगेश पाटे, डॉ. राहुल कट्टा, डॉ. मंजू राठी, डॉ. योगेश कुमार शर्मा, डॉ. एम.के. गुप्ता, डॉ. संजय गांधी, डॉ. डी.पी. शर्मा, डॉ. मुकेश जैन, डॉ. फरियाद मोहम्मद, डॉ. अरूण गौड़, डॉ. महेश शर्मा, डॉ. हरिराम चौधरी सहित कई विद्वान चिकित्सकों ने विभिन्न विषयों जैसे हैल्थ मेनिफेस्टो, मेडिकल एथिक्स, लीगल आस्पेक्ट्स ओफ मेडिकल प्रैक्टिस, चिकित्सा संस्थानों में हिंसा, कैंसर रोग, इ.सी.एम.ओ., केशलेस चिकित्सा बीमा, आयुष्मान मु.म. चिकित्सा योजना, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन, चिकित्सा शिक्षा, सेवारत चिकित्सकों के मसले, डायबिटिक रोग, लीवर ट्रांसप्लांट, लीवर कैंसर,

**सम्मान पाने हेतु सम्मान योग्य कार्य आज से ही प्रारम्भ करो।**





# your prescription — to a healthier tomorrow



## Low running cost of ₹1/km\*



Get benefits up to ₹1,40,000\* on TATA.ev range

Save up to ₹4.5 lakh in 4 years\* while you make the most of:



Born automatic for superior driving comfort



Silent cabin for stress-free drives



Growing network of 12,000+ public charging stations\*

and a lot more.

So wait no more, drive home a TATA.ev today for a greener tomorrow.

Range starts at ₹7.99 Lakh\*

Give a missed call on **9167196841** to know more!!

\*T&C apply



Tata.ev



Tata.ev



TATA.ev



TATA.ev



tata.evofficial





एनीमिया रोग की रोकथाम, कोविड 19 और भीलवाड़ा मॉडल, चिकित्सकों का स्वास्थ्य, खुशी और चिकित्सा व्यवसाय में तालमेल, दिनचर्या, खान-पान, रहन-सहन, व्यायाम का स्वास्थ्य पर प्रभाव पर चर्चा की।

कांफ्रेंस में संपूर्ण राजस्थान के करीब 600 चिकित्सकों ने भाग लिया। 26 की सायं को सभी संभागियों ने पारिवारिक सदस्यों सहित संगीतमय सांस्कृतिक एवं सामुहिक भोज में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में कई वरिष्ठ चिकित्सकों को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया इसमें डॉ. आर.के. अग्रवाल (उदयपुर), डॉ. एस.एन. हर्ष (बीकानेर), डॉ. महेश कुमार शर्मा (बीकानेर) डॉ. एम.एन. थरेजा (अलवर) को दिया गया।

वर्ष के लिए प्रेसिडेंट एप्रिसिएशन अवार्ड डॉ. राजेन्द्र कुमार सोमानी (भीलवाड़ा), डॉ. फरियाद मोहम्मद (भीलवाड़ा), डॉ. राहुल कट्टा, डॉ. मीनाक्षी शारदा, डॉ. एस.एस. मीणा, डॉ. एस.सी. मित्तल, डॉ. बी.के. आर्य, डॉ. मुकेश गर्ग, डॉ. मदन सोलंकी, डॉ. लोकेन्द्र शर्मा सहित 24 चिकित्सकों को प्रदान किया गया।

कांफ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष द्वारा डॉ. नसरिन भारती को सेवारत चिकित्सकों के अधिकारों की रक्षा के लिए अब तक किये गये कार्यों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कांफ्रेंस में डॉ. कैलाश भंडारी, डॉ. कैलाश काबरा, डॉ. एम.पी. अग्रवाल, डॉ. जी.के. मीश्रा, डॉ. आर.पी. राठी, डॉ. आशीष अजमेरा, डॉ. अरूण चौहान, डॉ. जयराज वैष्णव, डॉ. अतुल हैड़ा, डॉ. मुकेश जैन, डॉ. विष्णु चौहान, डॉ. सुभाष टेलर, डॉ. चेतन्द्रपुरी गोस्वामी, सी.एम.एच.ओ. डॉ. अरूण गौड़ अधीक्षक सहित सैकड़ों चिकित्सकों ने भाग लिया। समारोह संचालन, डॉ. सुनील मित्तल, डॉ. प्रशान्त आगाल, डॉ. रिचा रिझवानी, डॉ. शीतल अजमेरा द्वारा किया गया। कांफ्रेंस में एक स्मारिका का विमोचन भी उद्घाटन सत्र के दौरान किया गया।

**डॉ. फरियाद मोहम्मद**  
आयोजन सचिव  
राजमेडिकोन 2024 भीलवाड़ा



**अपने आराध्य और कार्य के प्रति निष्ठाशील रहें।**





## "RAJMEDICON-2024" Heartiest

Congratulations to the organizing committee of the RAJMEDICON-2024 "UMANG" Bhilwara especially Dr Dushyant, Dr Fariyad, Dr RS Somani, Dr Mittal, Dr Agal and the IMA Bhilwara branch for organizing a very much appreciated and successful conference of IMA Rajasthan State in Bhilwara.

My special thanks to the office bearers of IMA Rajasthan State Dr Rajnish Sharma, Dr MP Sharma, Dr PC Garg, Dr NK Agarwal, Dr Rahul Katta, Dr SN Harsh and National IMA leaders: President Dr RV Asokan, Past President Dr Ravi Wankhedkar, Vice President Dr Sharda, Joint Financial Sec. Dr Thareja, President Elect Dr Sunil Chug and others for making this event memorable.

It was the result of the hard work of team Bhilwara along with state IMA, this conference became reality after almost 5 years. The conference was attended in large numbers by doctors from all parts of the state. It was a very nice gesture of the association to honour its members and branches who are committed to the association and actively working for its pride.

My special thanks to IMA State for awarding "State President's Appreciation Award" to IMA Jaipur branch. It was an honour to receive the award on behalf of IMA Jaipur Branch.

**Dr Naresh Kumar Soni**  
Zonal Secretary  
IMA Rajasthan State Jaipur Zone



कोई भी ऐसा रहस्य नहीं है जो हमेशा छिपा रह सके ।





## “उमंग” का सफल आयोजन

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, राजस्थान की 27 वीं कॉफ्रेंस राजमेडिकोन 2024 – “उमंग” का सफल आयोजन 26 व 27 अक्टूबर 2024 को होटल ग्लोरिया इन, भीलवाड़ा में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय आइ.एम.ए. के माननीय अध्यक्ष डॉ. आर.वी. असोकन रहे।

प्रदेश आइ.एम.ए. के पदाधिकारियों ने इस कॉफ्रेंस के आयोजन की जिम्मेदारी आइ.एम.ए. भीलवाड़ा को देने का निर्णय लिया। इस निर्णय एवं कॉफ्रेंस आयोजन दिवस में समय अंतराल काफी कम था इस कारण कई कमियां रह गईं।

कॉफ्रेंस की अनुमति प्राप्त होने के पश्चात् 25/26 विभिन्न उपसमितियों का गठन आयोजन समीति के चेयरमैन डॉ. दुष्यंत शर्मा के नेतृत्व में किया गया।

इस सफल आयोजन में आर्थिक सहयोग-चिकित्सकों, विभिन्न निजी अस्पतालों, प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों, मेडिकल प्रोफेशनल इंडेमनिटी प्रोवाइडर, वस्त्र उद्योग के मालिकों, कार कम्पनी मालिक, का रहा। सभी आर्थिक शक्ति प्रदाताओं का आइ.एम.ए. हृदय से आभार प्रकट करती है।

संपूर्ण राजस्थान से सैकड़ों चिकित्सक विभिन्न परेशानियों का सामना करते हुए कॉफ्रेंस में पधार कर हमारा मनोबल उत्साह और मान बढ़ाया, उनके बिना आयोजन का कोई औचित्य नहीं रह जाता।

स्मारिका के निर्माण में सौविनिघर कमेटी ने बहुत अल्प समय में सराहनीय कार्य कर विमोचन को साकार किया वो सभी बधाई के पात्र है।

विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों में चिकित्सकों एवं चिकित्सा व्यवसाय से जुड़े विभिन्न विषयों पर विद्वान चिकित्सक वक्ताओं ने अपने विचार व अनुभव साझा किये। उन्होंने होने वाली विभिन्न परेशानियों को नजर अंदाज कर समय पर इसके सफल आयोजन में सहयोग दिया उनका दिल से शुक्रिया। इसके लिए तैयारी करने में डॉ. सुनील मित्तल का कठिन परिश्रम सराहनीय है।

आवास समिति द्वारा पूर्ण योजना के साथ सभी डेलीगेट्स जिन्होंने आवास की मांग की उनको कॉफ्रेंस स्थल पर ही आवास उपलब्ध कराया और परिवहन समिति द्वारा प्रतिनिधियों को एयरपोर्ट, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन से होटल तक लाने एवं वापस छोड़ने का कार्य सही समय पर संपादित किया। उनका धन्यवाद।

भोजन व्यवस्था डॉ. आर.एस. सोमानी के नेतृत्व में बहुत ही अच्छी व समय पर स्वादिष्ट, साफ-सफाई से प्रेम पूर्वक उपलब्ध कराई गई। सप्रेम धन्यवाद।

होटल में ठहरने की व्यवस्था, स्टाफ का व्यवहार, साफ-सफाई, आदि अच्छे स्तर की रही होटल प्रबंधन का धन्यवाद।

संगीतमय संध्या और रात्रिकालीन भोज का आयोजन मध्य रात्रि तक जारी रहा इससे प्रतीत होता है कि सभी ने भरपूर आनन्द लिया।

इवेंट मैनेजमेंट कम्पनी द्वारा आयोजन समिति का कार्य आसान किया वो भी बधाई के पात्र है।

विभिन्न तरह की आवश्यक सामग्री विभिन्न आयोजन समिति के सदस्यों ने जिम्मेदारी का निर्वहन समय पर किया वो अत्यधिक सराहनीय है।

प्रतिनिधियों के पंजीकरण से लेकर अब तक बैंक से लेन-देन व वित्त से संबंधित समस्त जिम्मेदारियों का निर्वहन ट्रेजरर डॉ. प्रशान्त आगाल द्वारा पूर्ण निष्ठा, लगन व समय पर संपादित किया जा रहा है।

काफी मेहनत के बाद भी तैयारियों के लिए काफी कम समय मिलने के कारण जो भी कमियां रही हैं उनकी फीडबैक उचित माध्यम से संबंधित राज्य पदाधिकारियों तक अवश्य पहुंचना चाहिए ताकि भविष्य के लिए आयोजन में और अधिक गुणवत्ता लाई जा सके।

डॉ. फरियाद मोहम्मद  
सचिव आयोजन समीति  
राजमेडिकोन 2024 “उमंग”

**प्रतिकूलताओं को सहन करना सीखो।**





### State IMA, Rajasthan Award List-Rajmedicon-2024

S. No.	Zone	Branch	Type	Name
1.	Jaipur	Jaipur	Life time	Dr SS Agarwal
2.	Udaipur	Udaipur	Life time	Dr R K Agarwal
3.	Bikaner	Bikaner	Life time	Dr S N Harsh
4.	Bharatpur	Alwar	Life time	Dr M N Thareja
5.	Bikaner	Bikaner	Life time	Dr Mahesh Kumar Sharma
6.	Jaipur	Jaipur	Legal Matters (SOP, RTH Rules, Fire NOC, Motana)	Dr Rahul Katta
7.	Jodhpur	Bhinmal	New Branches	Dr Narendra Singh Rajpurohit
8.	Jodhpur	Jalore	New Branches	Dr Suresh Sagar
9.	Kota	Kota	Regular Election	Dr Meenaxi Sharda/ Dr Deepak Gupta
10.	Sikar	Jhunjhunu	Maximum New Membership	Dr LC Dhaka
11.	Bharatpur	Sawai Madhopur	Maximum New Membership	Dr SS Meena
12.	Ajmer	Bhilwara	Organising team-Rajmedicon	Dr Dushyant Sharma & Team
13.	Jaipur	Bhiwadi	First Best Updated Branch	Dr Anvika Bansal
14.	Bikaner	Suratgarh	IMA House	Dr G D Sharma
15.	Bharatpur	Alwar	IMA House	Dr SC Mittal
16.	Jodhpur	Jaisalmer	Conference	Dr BK Arya
17.	Ajmer	Bhilwara	Extra Curricular Activities	Dr RK Somani
18.	Jodhpur	Jodhpur	Best Secretary	Dr Siddharth Lodha
19.	Ajmer	Bhilwara	In Service Doctors Wing	Dr Fariyad Mohd.
20.	Bharatpur	Gangapur City	Literature	Dr Mukesh Garg
21.	Ajmer	Tonk	Literature	Dr Vijendra Tripathi
22.	Jodhpur	Pali	Zonal activities	Dr Madan Solanki
23.	Jaipur	Jaipur	Mental Health	Dr Lokendra Sharma
24.	Jaipur	Dausa	State Protest (Dr Archana Sharma)	Dausa Branch
25.	Sikar	Sikar	State protest (RTH)	Sikar Branch
26.	Jaipur	Jaipur	State protest (RTH)	Jaipur Branch

शुभ भावना से की गई क्रिया शुभ परिणाम लाती है ।



## 27th RAJMEDICON 2024

उत्साह और जोश के साथ सम्पन्न ।

स्टेट आई एम ए प्रेसिडेंट डॉ. रजनीश शर्मा ने बताया की वर्ष 2024 के स्टेट कॉन्फ्रेंस के आयोजन को IMA Bhilwara को दिया गया ।

Dr PC Garg स्टेट जनरल सेक्रेटरी के अनुसार

IMA भीलवाड़ा ने आयोजन समिति और 26 कमेटी बनाकर कॉन्फ्रेंस का शानदार आयोजन किया ।

Dr MP Sharma प्रेजिडेंट इलेक्ट ने कहा

Organising Chairman,

Dr. Dushyant Sharma,

Organising Secretary Dr. Fariyad Mohammad, President IMA Bhilwara Dr Radhey Shyam Somani ने अपनी आयोजन कुशलता को साबित किया है ।

Dr NK Agarwal ने 26 और 27 October 2024 को Hotel Gloria inn के कार्यक्रम का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया ।

कॉन्फ्रेंस के मुख्य अतिथि Dr RV Asokan, विशिष्ट अतिथि डॉ. रवि वानखेडेकर, मुख्य वक्ता डॉ. मंगेश पाटे थे । इस अवसर पर नेशनल वाइस प्रेसिडेंट डॉक्टर अशोक शारदा, जॉइंट फाइनेंस सेक्रेटरी हेडक्वार्टर डॉ. एम एन थरेजा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुनील चुघ, E news लेटर के संपादक डॉ. एस एन हर्ष उपस्थित थे । कार्यक्रम में सम्माननीय अतिथि RMC रजिस्ट्रार डॉ. गिरधर गोपाल गोयल, डॉ. वर्षा सिंह प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज भीलवाड़ा उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।

सम्मानित मंच पर रीजनल वाइस प्रेसिडेंट डॉ. रूप सिंह, डॉ. लाल चंद ढाका, डॉ. जी डी शर्मा, डॉ. राहुल कट्टा, डॉ. मंजू राठी सुशोभित थे ।

कॉन्फ्रेंस में भीलवाड़ा, उदयपुर, अहमदाबाद, जयपुर, कोटा के अस्पतालों के चिकित्सकों ने Scientific Session में सारगर्भित प्रेजेंटेशन दिए ।

600 से अधिक चिकित्सकों ने 26 और 27 October को भाग लिया ।

भीलवाड़ा का लजीज खाना, कार्यकर्ताओं की विनम्रता, तत्परता, और सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोक नृत्य, लंगा बंधुओं की प्रस्तुति ने व डॉ. कैलाश काबरा के गानों ने आई एम ए राजस्थान की कॉन्फ्रेंस को यादगार बना दिया ।

State Team IMA Rajasthan, IMA Bhilwara, आयोजन समिति, डॉ. सुनील मित्तल, डॉ. प्रशांत अगल, डॉ. आर के सोमानी, डॉ. सुभाष टेलर, डॉ. चौहान, डॉ. ऋचा रिजवानी, डॉ. शीतल अजमेरा का कार्य प्रशंसनीय रहा ।

**Team IMA Rajasthan**

**भय, क्रोध व शोक चेहरे को विकृत बनाते हैं ।**





## Vision for IMA Rajasthan-2025

**Dr. M.P. Sharma**  
President-Elect

As I prepare to take on the role of President of IMA Rajasthan, my vision is to focus on building a stronger, more cohesive medical community that works towards securing the safety, rights, and professional advancement of doctors and healthcare staff across the state. Through strategic initiatives and reforms, we will ensure a more sustainable and supportive environment for medical practice in Rajasthan.



### 1. Membership Drive Expanding Our Network:

Currently, IMA Rajasthan has over 12,500 members, but with more than 65,000 allopathic doctors practicing in the state, there is significant potential for growth. A stronger membership base enhances our collective bargaining power and representation in policy discussions. We will initiate a comprehensive membership drive aimed at:

- ★ Encouraging all allopathic doctors to join IMA, emphasizing the benefits of collective action and professional solidarity.
- ★ Engaging young doctors and recent graduates, ensuring that the next generation of medical professionals is represented and involved in shaping the future of healthcare in Rajasthan.

### 2. Land Allotment for IMA Offices:

Securing land allotment at nominal rates from the Government of Rajasthan will be a key priority. This will facilitate the construction of IMA offices, centers for medical conferences, and spaces that can support medical education and collaboration. We will:

- ★ Advocate for the government to provide land in key cities and regions at concessional rates, recognizing the essential role of medical professionals in the state's healthcare system.
- ★ Utilize these spaces for doctor training, community health initiatives, and to foster a sense of unity among healthcare professionals.

### 3. Ensuring Safety for Hospitals and Healthcare Personnel:

One of the critical concerns in today's medical environment is the safety and protection of doctors, nurses, and paramedical staff. In recent times, there has been a rise in instances of violence against medical personnel, especially in government hospitals. Our agenda includes:

- ★ Advocating for Strict Laws for Protection: Currently, no specific law

**आपसी त्याग से शुरू होती है सहयोग की भावना ।**





protects doctors and paramedical staff in Rajasthan. We propose that the existing Standard Operating Procedures (SOPs) on hospital safety be converted into a legally enforceable act, ensuring accountability and providing legal recourse in cases of violence or harassment.

★ Collaborating with the government to implement hospital security measures, including the installation of CCTV cameras, deployment of security personnel, and quick response systems in case of emergencies.

#### **4. Improving Working Conditions and Safety for Postgraduate Students:**

Postgraduate students form the backbone of hospital care and training, yet they often face unsafe conditions, long hours, and inadequate support. To improve their situation, we will focus on:

★ Fixed Duty Hours: We will advocate for setting fixed working hours for postgraduate students, ensuring they are not overworked and can maintain their mental and physical health.

★ Safety and Security: Following tragic incidents like the brutal rape and murder of a postgraduate student in Kolkata, we will push for heightened security measures in all hospitals, including 24/7 security, better lighting, and stricter protocols for the safety of all healthcare workers, particularly students.

★ Improved Perks and Stipends: We will advocate for better financial incentives, stipends, and perks for postgraduate students, recognizing their immense contribution to the healthcare system.

#### **5. Resolution of Biomedical Waste Management Issues:**

Proper management of biomedical waste is not only a legal requirement but also a crucial aspect of public health. Several hospitals in Rajasthan face challenges in complying with biomedical waste disposal regulations. We will:

★ Work closely with the Rajasthan government and regulatory bodies to resolve pending issues related to waste disposal.

★ Advocate for simplifying the compliance process for small and mid sized hospitals to ensure environmental safety without imposing an undue burden on healthcare providers.

#### **6. Exempting Small Hospitals from the Clinical Establishments Act:**

The Clinical Establishments Act has imposed stringent regulations on all hospitals, regardless of size or capacity. We believe that hospitals with up to 50 beds should be exempt from certain provisions of this act, as these smaller institutions cannot bear the same regulatory burdens as larger facilities. Our plan includes:

★ Pushing for an amendment to the act that provides exemptions for hospitals with up to 50 beds, enabling them to operate without the constraints that are more appropriate for large multi-specialty hospitals.

**आदतों को रोका न जाये तो वे शीघ्र ही लत बन जाती है।**





## 7. Electricity Tariff Reforms for Hospitals:

Hospitals are essential service providers, yet they are currently charged commercial electricity rates, which significantly increases operational costs. We will:

★ Advocate for hospitals to be classified under industrial rates for electricity, as they operate 24/7 and serve a critical societal function. This revision will help reduce costs, particularly for smaller hospitals and clinics, making healthcare more affordable and sustainable.

## 8. Reforming Single-Specialty Hospital Regulations:

Single-specialty hospitals play an essential role in providing focused, high-quality care. However, the current requirement for a minimum of 30 beds is unrealistic for many such institutions. We will:

★ Lobby for the reduction of the minimum bed strength for single-specialty hospitals from 30 to 10, allowing these facilities to operate effectively and expand healthcare access, particularly in underserved regions.

## 9. Revising Rates for Government Health Schemes:

The rates offered under key government health schemes such as the Mukhyamantri Ayushman Arogya Yojana and the Rajasthan Government Health Scheme (RGHS) are currently insufficient for many hospitals to cover costs. We will:

★ Advocate for a thorough review and revision of these rates, ensuring that hospitals are adequately reimbursed, which will improve the quality of care provided under these schemes and prevent financial strain on healthcare facilities.

## 10. Improving Working Conditions in Government Hospitals:

The working conditions in government hospitals have long been a matter of concern, affecting both healthcare delivery and the well-being of medical professionals. Key issues we aim to address include:

★ Rajasthan Medical Services Cadre Formation: Similar to other services in the state, we will advocate for the formation of a dedicated Rajasthan Medical Services cadre. This will provide structured career progression for government doctors, ensuring better service conditions and job security.

★ Grade Pay of Rs. 10,000: We will push for an upward revision in the grade pay of government doctors to Rs. 10,000, recognizing the critical nature of their work and ensuring their compensation is in line with other government services.

★ Minimizing Interference from Other Departments: We will seek to reduce non-healthcare departments' interference in hospital management and medical decisions, allowing doctors to focus on patient care without administrative hindrances.

## 11. Curbing Demonstrations and Motana Demands:

दृष्ट, मूर्ख और बहके हुए को समझा पाना बहुत कठिन है ।





The practice of demonstrations with dead bodies in front of hospitals and demands for 'motana' (compensation) has become a disturbing trend, putting unnecessary pressure on doctors and hospitals. We will:

★ Advocate for this issue to be included in the Clinical Protection Act, ensuring that healthcare providers are not subjected to harassment and extortion. These practices harm the doctor-patient relationship and disrupt hospital operations.

★ By addressing these key issues, we aim to create a safer, more supportive environment for medical professionals in Rajasthan, ultimately improving healthcare delivery for the people of the state.

★ This version provides more depth and detail while retaining clarity. It covers each point of your vision in a way that communicates the significance of each issue. Does this meet your expectations? Here's the updated section on doctor-patient relationships:

## 12. Strengthening Doctor-Patient Relationships

A strong doctor-patient relationship is the foundation of effective healthcare. To improve trust and mutual respect, we will focus on:

★ **Enhancing Communication:** Encouraging better communication between doctors and patients to ensure transparency, clarity, and empathy in every interaction.

★ **Restoring Faith in Healthcare:** By addressing patient concerns promptly and ensuring that doctors have the time and resources to provide quality care, we aim to rebuild trust in the medical profession.

★ **Educational Initiatives:** Promoting awareness among patients about the challenges faced by doctors, while also training healthcare professionals to handle patient relations with sensitivity and care.



सभ्यता अपने ही उत्पादों से जहर बन जाती है ।





## आभार प्रदर्शन by Dr. R.S. Somoni

Good evening friends,

Hope fully all of you had reached at home safely .Thanks to all for kind of words & inspiring motivational appreciation of Rajmedicone 2024 organising team. Success of conference never depends on only arrangements done by org. team, it matters but more important is active participation of delegates & faculties to make the event successful, so.from bottom of my heart I thanks to all of you attending & blessings Bhilwara IMA.

I apologies for short comings remain in arrangements done by our team ,inspite of their full efforts &dedication to make it 100% comfortable.

**President IMA Bhilwara**



कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती ।





## भोजन, व्यायाम और ध्यान, ये तीन मंत्र हृदय शरीर और मन को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी : डॉ. चंद्रन

आईएमए की प्रदेश स्तरीय कॉन्फ्रेंस राजमेडिकॉन-2024 का रविवार को समापन हुआ। समापन सत्र में अहमदाबाद से हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अनीश चंद्रन ने फिजिकल फिटनेस और मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाए रखने वाली सामान्य लाइफ स्टाइल के बारे में व्याख्यान दिया। डॉ. चंद्रन ने विषय विशेष से हटकर डॉक्टरों और मरीजों की सेहत को बनाए रखने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। भोजन, व्यायाम और ध्यान ये तीनों मूल मंत्र हैं जिनकी मदद से हृदय, शरीर और मन तीनों को स्वस्थ रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अपने शरीर की क्षमता को बढ़ाने के लिए दिनचर्या में सुधार करना होगा। डॉक्टरों से खुद स्वस्थ रहेंगे तभी मरीजों को स्वास्थ्य लाभ दे पाएंगे। जब मरीज खुश होगा तो वह डॉक्टर का ब्रांड एंबेसेडर खुद ही बन जाएगा। डॉ. चंद्रन ने कहा कि अपने क्षेत्र (स्थानीय स्तर पर पैदा होने वाले फल व सब्जियाँ) के मौसमी फलों और सब्जियों को ही खाना चाहिए। प्रिजर्वेटिव नहीं खाने चाहिए। उन्होंने अपने दिल को स्वस्थ रखने के लिए भोजन सूर्योदय से सूर्यास्त के बीच में ही करने की सलाह दी।

दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में साइंटिफिक सत्रों में डॉ. आरवी. असोकन, डॉ. रवि वानखेड़कर, डॉ. अशोक शारदा, डॉ. मंगेश पाटे, डॉ. राहुल कड्डा, डॉ. मंजू राठी, डॉ. योगेश कुमार शर्मा, डॉ. एमके गुप्ता, डॉ. संजय गांधी, डॉ. डीपी शर्मा, डॉ. मुकेश जैन, डॉ. फरियाद मोहम्मद, डॉ. अरुण गौड़, डॉ. महेश शर्मा, डॉ. हरिराम चौधरी सहित कई चिकित्सकों ने विभिन्न विषयों जैसे हेल्थ मेनिफेस्टो, मेडिकल एथिक्स, लीगल आस्पेक्ट्स ऑफ मेडिकल प्रैक्टिस, चिकित्सा संस्थानों में हिंसा, कैंसर रोग, इसीएमओ, केशलैस चिकित्सा बीमा, आयुष्मान मु.म. चिकित्सा योजना, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन, चिकित्सा शिक्षा, सेवारत चिकित्सकों के मसले, डायबिटिक रोग, लीवर ट्रांसप्लांट, लीवर कैंसर, एनीमिया रोग की रोकथाम, कोविड 19 और भीलवाड़ा मॉडल चिकित्सकों का स्वास्थ्य, खुशी और चिकित्सा व्यवसाय में तालमेल, दिनचर्या, खान-पान, रहन-सहन, व्यायाम का स्वास्थ्य पर होने वाले प्रभावों पर चर्चा की।

कॉन्फ्रेंस में प्रदेश और देशभर के करीब 600 चिकित्सकों ने भाग लिया। समारोह संचालन, डॉ. सुनील भित्तल, डॉ. प्रशान्त आगाल, डॉ. रिचा रिझवानी, डॉ. शीतल अजमेरा द्वारा किया गया। कॉन्फ्रेंस में स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. असोकन, डॉ. रवि केशलैस पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. अशोक शारदा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, डॉ. एमएन थरेजा, डॉ. वर्षा सिंह प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज, डॉ. रजनीश शर्मा प्रदेश अध्यक्ष, डॉ. एमपी शर्मा, डॉ. पीसी गर्ग प्रदेश सचिव, डॉ. एनके अग्रवाल कोषाध्यक्ष, डॉ. एसएन हर्ष, डॉ. रूपसिंह गुर्जर, डॉ. एलसी धाका, डॉ. जीडी शर्मा, डॉ. दुष्यंत शर्मा आयोजन समिति चेयरमैन, डॉ. आरएस सोमानी ब्रांच अध्यक्ष, डॉ. फरियाद मोहम्मद आयोजन सचिव ने दीप प्रज्वलन कर कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया।

**हेल्थ मेनिफेस्टो के प्रमुख सुझाव :** आईएमए की ओर से आयोजित प्रदेश स्तरीय डॉक्टर्स की 27 वीं कॉन्फ्रेंस राजमेडिकॉन-2024 में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरवी केशलैस ने हेल्थ मेनिफेस्टो के तौर पर स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जाने वाले संभावित सुधारों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। ये सुधार सरकारों और मेडिकल प्रोफेशनल्स दोनों ही स्तर पर करने की जरूरत है। हेल्थ मेनिफेस्टो में दिए गए प्रमुख सुझावों में देश के मेडिकल कॉलेजों में शिक्षा और सुविधाओं का स्तर बढ़ाना शामिल है। मेनिफेस्टो के अनुसार हर साल देश के 706 मेडिकल कॉलेजों में से करीब एक लाख 8 हजार 915 एमबीबीएस स्टूडेंट्स निकलते हैं। इन 706 मेडिकल कॉलेजों में 390 सरकारी कॉलेज हैं। भारत के अलावा कोई दूसरा देश नहीं है, जहां इतनी संख्या में मेडिकल कॉलेज हैं। इसलिए इनकी क्वालिटी को मेंटेन करना नेशनल मेडिकल कमिशन के सामने बड़ी चुनौती है। एनएममी के सामने मेडिकल ग्रेजुएट्स के कॅरिअर और उनकी बेरोजगारी के मामले में गंभीर होने की आवश्यकता है। साथ ही मेडिकल एजुकेशन की क्वालिटी को व्यापक करते हुए मेडिकल कॉलेजों में सुविधाओं का स्तर भी वैश्विक करना एक चुनौती है। देश के निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस को भी सीमित करने की ओर सरकार को कदम उठाने होंगे, जिससे मेडिकल एजुकेशन सभी के सामर्थ्य में आ जाए। देश के स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति के बारे में मेनिफेस्टो में बताया गया कि 2023-24 में सतत विकास लक्ष्य में 162 देशों में से भारत की 112वीं रैंक पर आया है। देश को अपनी रैंक में सुधार के लिए हेल्थ सेक्टर में आ रही चुनौतियों का समाधान करना होगा। आईएमए ने सुझाव दिए कि प्राइमरी हेल्थ केयर की आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए बीमारी से पहले बीमारी की पहचान और उसे बढ़ने से पहले नियंत्रण करने की ओर कदम उठाने की जरूरत है। सरकारों को आईएमए का सहयोग लेते हुए स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर काम किया जा सकता है।

**समारोह में चिकित्सकों को किया सम्मानित :** वरिष्ठ चिकित्सकों डॉ. आरके. अग्रवाल (उदयपुर), डॉ. एसएन हर्ष (बीकानेर), डॉ. महेश कुमार शर्मा (बीकानेर), डॉ. एमएन थरेजा (अलवर) को को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस वर्ष के लिए प्रेसिडेंट एप्रिसिएशन अवार्ड डॉ. राजेन्द्र कुमार सोमानी (भीलवाड़ा), डॉ. फरियाद मोहम्मद (भीलवाड़ा), डॉ. राहुल कड्डा, डॉ. मीनाक्षी शारदा, डॉ. एसएस मीणा, डॉ. एससी भित्तल, डॉ. बीके आर्य, डॉ. मुकेश गर्ग, डॉ. मदन सोलंकी, डॉ. लोकेंद्र शर्मा सहित 24 चिकित्सकों को सम्मान दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा डॉ. नसरीन भारती के सेवारत चिकित्सकों के अधिकारों की रक्षा के लिए अब तक किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

**स्वार्थ के सद्गुण ऐसे खो जाते हैं जैसे समुद्र में नदियां।**



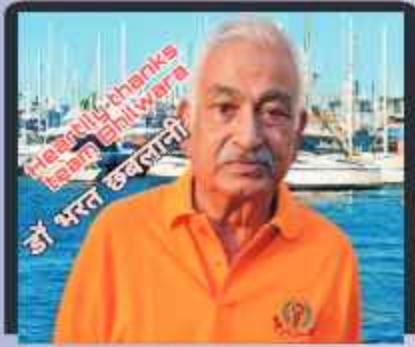


### आईएमए कोटा ब्रांच को मिला प्रेसीडेंशियल अवार्ड

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन राजस्थान ब्रांच का 27वां वार्षिक अधिवेशन 'उमंग 2024' का आयोजन भीलवाड़ा में हुआ।

मुख्य अतिथि आईएमए के नेशनल प्रेसिडेंट डॉ. आरवी असोकन रहे। साथ ही, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रवि वानखेडेकर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. अशोक शारदा, राजस्थान ब्रांच के अध्यक्ष डॉ. रजनीश शर्मा, सचिव, डॉ. प्रवीण गर्ग भी अधिवेशन में शामिल हुए। उत्कृष्ट कार्य करने वाली ब्रांच को प्रतिवर्ष प्रेसीडेंशियल अवार्ड से सम्मानित किया जाता है।

इस वर्ष आईएमए कोटा को उनकी सदस्य संख्या एवं विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक, संगठनात्मक गतिविधियों के चलते प्रेसीडेंशियल अवार्ड से सम्मानित किया गया। अतिथियों से यह पुरस्कार आईएमए कोटा की ब्रांच अध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी शारदा व सचिव डॉ. दीपक गुप्ता ने प्राप्त किया।



टीम अजमेर की तरफ से बढ़िया अरेंजमेंट के लिए कॉन्फ्रेंस के समस्त ऑर्गेनाइजर्स को, विशेष तौर से डॉ. फरियाद को मेरी तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद साधुवाद।

डॉक्टर फरियाद मोहम्मद के साथ ही डॉक्टर दुष्यंत शर्मा, डॉ. राधेश्याम सोमानी, डॉक्टर मित्तल, डॉ. विष्णु चौहान, डॉक्टर सुभाष ट्रेलर एवं सभी टीम आई एम ए भीलवाड़ा का हृदय की गहराइयों से धन्यवाद।

आशा है कि ऐसे प्रोग्राम होते रहेंगे ताकि आई एम ए का झंडा ऊंचा रहे। व्यस्थाएं बहुत उत्तम रही।

सबको धन्यवाद

**डॉ. भरत छबलानी**  
जोनल सेक्रेटरी, अजमेर



**चिन्तन की स्वस्थता चित्त को प्रसन्नता प्रदान करती है।**





जोधपुर के चार चिकित्सकों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के अंतर्गत एफ आई आर दर्ज होना एक सामान्य घटना नहीं है। इसके बेहद विपरीत, गंभीर दूरगामी परिणाम होंगे इसलिए मेडिकल एवं लीगल फ्रेटरनिटी ही नहीं अपितु सम्पूर्ण समाज के लिए भी यह चिंतन और मनन का विषय है।

एक युवा प्रशासनिक अधिकारी अपने इलाज के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में जाती हैं जबकि उसी शहर में एक एम्स एवं एक अन्य पुराना एवं विख्यात मेडिकल कॉलेज भी था। एक माइनर सर्जरी की जाती है एवं दुर्भाग्यवश किसी आकस्मिक मेडिकल कॉम्प्लिकेशन के बाद अंततः उनकी दुःखद मृत्यु हो जाती है। उनकी मृत्यु की जांच के लिए दो बार वरिष्ठ चिकित्सकों के बोर्ड गठित किए जाते हैं जिनकी रिपोर्ट में घोर लापरवाही का होना नहीं पाया जाता। परिजन अदालत जाते हैं एवं अदालत एफ आई आर दर्ज करने का आदेश देती है।

पुलिस BNS की धारा 105 के अंतर्गत FIR दर्ज करती है जबकि मेडिकल लापरवाही के कारण हुई मृत्यु के मामलों में इंदे की धारा 106 (1) का स्पष्ट प्रावधान है।

यह एक हाइ प्रोफाइल केस है। समस्त मीडिया एवं चिकित्सक समुदाय ही नहीं अपितु आम व्यक्ति इस केस को फॉलो कर रहा है। इस केस का अंतिम परिणाम जो भी हो लेकिन इसके गंभीर दुष्परिणाम समाज के लिए एवं विशेष रूप से समाज के उस संपन्न वर्ग के लिए निश्चित रूप से होंगे जो अपने लिए अति विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं की अपेक्षा रखता है।

अब संभवतः छोटे एवं मध्यम श्रेणी के अस्पताल समाज के धनी एवं महत्वपूर्ण वर्ग का इलाज करने से बचने लगेंगे। लेकिन ये समझ लें कि देश का प्रत्येक धनी एवं महत्वपूर्ण व्यक्ति किसी बड़े कॉरपोरेट अस्पताल के आस पास ही रहता हो ऐसा नहीं है। बहुत से प्रशासनिक अधिकारियों को दूरस्थ स्थानों पर भी सेवाएं देनी आती हैं जहां दूर दूर तक कोई बड़ा अस्पताल नहीं होता। ऐसे में किसी आकस्मिक स्थिति में यदि इलाज कर रहे चिकित्सक के मन में किसी भय का भाव होगा तो क्या वो सही इलाज कर पाएगा? क्या वो ये नहीं चाहेगा कि किसी VIP का इलाज करने से बेहतर है उसे रेफर कर दिया जाए? केवल मेडिकल विज्ञान को पढ़ चुका व्यक्ति ये समझ सकता है कि बहुत सी अवस्थाओं में थोड़ा सा जोखिम उठा कर यदि समय पर इलाज मिले तो रोगी के बचने की संभावना कहीं अधिक होती है बजाय इसके कि उसे तुरंत अक्सीजन लगा कर रेफर कर दिया जाए। उदाहरण के लिए जान लें कि कार्डियक अरेस्ट के कारण अचानक बेहोश हुए व्यक्ति को समय पर प्रभावी बचत मिल जाए तो वो बच सकता है लेकिन हर एक मिनट के बाद उसके बचने की संभावना दस प्रतिशत कम होती जाती है और आठ दस मिनट के भीतर उसे तमनेबपजंजम नहीं किया जाए तो उसकी मृत्यु निश्चित है। एक चिकित्सक के मन में ये भय होगा कि किसी धनी व्यक्ति या अति महत्वपूर्ण व्यक्ति की यदि मृत्यु हुई तो उसे दस साल के लिए जेल जाना पड़ सकता है तो दुनिया का कौनसा चिकित्सक किसी धनी या महत्वपूर्ण व्यक्ति का इलाज करना पसंद करेगा?

दूसरे अब मेडिकल Negligence के हर केस में bns की धारा 105 लगाए जाने की मांग की जाएगी और धीरे धीरे हर गंभीर रोगी को समय पर इलाज मिलना बंद हो जाएगा।

भारत में इलाज के दौरान जब भी कोई अनहोनी होती है और जब उसके कारणों का विश्लेषण किया जाता है तो आम तौर पर कानूनी एवं मेडिकल विशेषज्ञ उस स्थिति का विश्लेषण ऐसे करते हैं मानों यह भारत नहीं बल्कि अमेरिका जैसा कोई विकसित देश है। प्रोसीजर से पहले क्या क्या टेस्ट हुए, क्या क्या सावधानियां रखी गईं, कम्प्लिकेशन होने पर चिकित्सक ने क्या किया, उसे क्या करना चाहिए था.... इन सब का आकलन करते समय हमारे विशेषज्ञ भूल जाते हैं कि ये भारत है जहां स्वास्थ्य पर खर्च की गई राशि संभवतः विश्व के अन्य देशों की तुलना में सबसे कम है। हम भूल जाते हैं कि भारत में अधिकांश चिकित्सक एवं अस्पताल बेहद सीमित संसाधनों में काम करते हैं। हम भूल जाते हैं कि कॉस्ट ऑफ ट्रीटमेंट को कम रखने के प्रयास में कई बार हमारे प्रोटोकॉल विकसित देशों के प्रोटोकॉल से भिन्न होते हैं। हम भूल जाते हैं कि हमारे यहां अधिकांश जटिल ऑपरेशन भी मात्र कुछ घंटों में संभव हैं जिनके लिए विदेशों में कई महीनों प्रतीक्षा करनी होती है। हम भूल जाते हैं कि मेडिकल प्रोटोकॉल लां का उल्लंघन करके ही एक सरकारी फिजिशियन एक घंटे में सौ सौ मरीजों को निपटा पाता है। हम भूल जाते हैं कि यदि विकसित देशों वाले सभी प्रोटोकॉल्स का अक्षरशः पालन किया जाए तो जो इलाज आज एक हजार रुपए में संभव है उसके लिए हमें लाखों रुपए खर्च करने पड़ सकते हैं और कई महीनों प्रतीक्षा भी करनी होगी वो अलग।

एक आम व्यक्ति उस चिकित्सक के मन की पीड़ा को कभी नहीं समझ सकता जिसके किसी मरीज की इलाज के दौरान आकस्मिक मृत्यु हुई हो। यदि चिकित्सक से घोर लापरवाही हुई है तो उसे कानून सम्मत सजा मिले लेकिन यदि चिकित्सक की गर्दन पर कानून की तलवार हर समय लटकती रहेगी तो वो अपने दायित्व से कभी न्याय नहीं कर पाएगा। एक सर्जन के हाथ ऑपरेशन के समय कांपने लगें तो वो कैसे सर्जरी कर पाएगा अनुमान लगाना कठिन नहीं।

जोधपुर प्रकरण पर गंभीर विचार करें और सोचें कि जो कुछ हो रहा है क्या वो समाज के व्यापक हित में है?

-डॉ. राज शेखर यादव फिजिशियन

**हृदय की विशालता ही उन्नति की नींव है।**





### अब हॉस्पिटल एथिक्स की जरूरत... कॉरपोरेट हाउस में बदल गए बड़े हॉस्पिटल, फाइव स्टार होटल की तर्ज पर पैकेज दे रहे

आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरवी असोकन ने कहा कि देश में अब हॉस्पिटल एथिक्स की ज्यादा जरूरत है। बड़े-बड़े हॉस्पिटल कॉरपोरेट हाउस में बदल गए हैं, जहां लापरवाही के लिए कोई जिम्मेदारी लेने वाला नहीं होता है। ये चिकित्सा सेवा के पेशे को बदनाम कर रहे हैं। उनके पैकेज फाइव स्टार होटल की तर्ज पर दिए जाते हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को व्यवसाय बना दिया है। इसलिए डॉक्टरों के प्रति हिंसा बढ़ने लगी है। इनके लिए आईएमए ठोस कदम उठाएगा।

डॉ. असोकन आईएमए राजस्थान की 27वीं राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस राजमेडिकॉन-2024 उमंग में भाग लेने भीलवाड़ा आए थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश का हेल्थ बजट सिर्फ 1.1 प्रतिशत है, जबकि इस सेक्टर का कुल खर्चा 3.8 प्रतिशत है। हमारी मांग है कि इस बजट को 2030 तक 5 प्रतिशत किया जाए। सरकार की ओर से तैयार करवाए जा रहे हेल्थ डेटा पर उन्होंने सवाल खड़ा करते हुए कहा कि व्यक्तिगत डेटा को किस कानून के तहत एकत्रित किया जा रहा है। क्या यह सुरक्षित है? यह एक तरह से गैर कानूनी तरीका है।

**भारत ही ऐसा देश है जहां बीमार मरीज पर भी टैक्स :** डॉ. आरवी असोकन ने कहा कि भारत ही ऐसा देश है, जहां बीमार मरीज पर टैक्स लगाया जाता है। राज्य सरकारें डॉक्टरों की भर्तियां करती हैं, उनमें कई तरह की विसंगतियां हैं। नेशनल रूरल हेल्थ मिशन में डॉक्टरों का वेतन बहुत कम और जिम्मेदारियां इतनी अधिक हैं कि वे अपने पेशे से न्याय नहीं कर पाते हैं।

इन विसंगतियों पर आईएमए सरकार से बात करेगा। डॉ. असोकन ने कहा कि आईएमए सिर्फ मांग ही नहीं करती, स्वास्थ्य क्षेत्र में सकारात्मक सुझाव भी देती है, ताकि सरकारी स्कीमों की विसंगतियों को दूर किया जा सके और मेडिकल प्रोफेशनल्स और जनता को इसका लाभ अधिक मिल सके।

**हिंसा बढ़ने से सख्त निर्णय लेने से कतराने लगे डॉक्टरों :** डॉ. असोकन ने कहा कि देश में डॉक्टरों के साथ होने वाली हिंसात्मक घटनाओं से डॉक्टरों अब मरीजों के हित में लिए जाने वाले सख्त निर्णय लेने से कतराने लगे हैं, क्योंकि थोड़ी सी भी गलती पर उन पर आपराधिक हमले होने लगते हैं। चिकित्सा सेवाओं को विजनेस म डल बनाकर सरकारों ने कंज्यूमर प्रोटेक्शन कानून के तहत लाकर रख दिया है। इस पेशे को ग्राहक और विक्रेता की तरह बनाकर रख दिया है, जिससे डक्टर और मरीज के बीच जो भरोसेमंद रिश्ता था, वह अब खत्म हो गया है।

### 200 मेडिकल प्रोफेशनल्स ने हेल्थ मेनिफेस्टो बनाया, मेडिकल एजुकेशन में लागू बॉन्ड पॉलिसी का विरोध

राजमेडिकॉन - 2024 उमंग में केन्द्र व राज्य की स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता को लेकर चिंता व्यक्त की गई। पहली बार भीलवाड़ा में होने वाली कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरवी असोकन ने कहा कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने हेल्थ सेक्टर, मेडिकल प्रोफेशनल्स और पब्लिक हेल्थ यानी मरीजों के हितों के लिए हेल्थ मेनिफेस्टो (स्वास्थ्य घोषणापत्र) बनाया है। यह मेनिफेस्टो देशभर के करीब 200 मेडिकल प्रोफेशनल एक्सपर्ट्स ने मिलकर तैयार किया है। हमारी सरकारों की नीतियों से लोगों को स्वास्थ्य लाभ लेने में कई पेंच खड़े हो रहे हैं। देश की मेडिकल एजुकेशन में चली आ रही बॉन्ड पॉलिसी का डॉ. आरवी असोकन ने विरोध करते हुए कहा कि मेडिकल ग्रेजुएट्स गुलामों की तरह प्रतिबंधित किए जाते हैं। हमारे देश में ही यह बॉन्ड पॉलिसी है। ऐसी किसी दूसरे देश में नीति नहीं है। इस पॉलिसी के तहत हमारे देश के किसी भी मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले मेडिकल ग्रेजुएट्स, पोस्ट ग्रेजुएट्स हो या सुपर स्पेशलिस्ट्स, ये सभी बॉन्ड पॉलिसी के तहत प्रतिबंधित किए जाते हैं। यह हमारे मेडिकल एजुकेशन के लिए शर्मनाक स्थितियां हैं। ऐसे और भी कई मुद्दे हैं, जिन पर मेडिकल एसोसिएशन सरकार से अपनी बात रखेगा। हेल्थ मेनिफेस्टो के बारे में कहा कि सरकार तक पहुंचाने के लिए मेडिकल प्रोफेशनल्स की यह आवाज है। केन्द्र व राज्य सरकारों की ओर से स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता एक तरह का क्राइम है जो सरकार हेल्थ सेक्टर के साथ करती आ रही है। पहले दिन छह सत्र हुए। पहले सत्र में डॉ. अशोक शारदा ने देश की स्वास्थ्य को इंप्रूव करने के लिए हेल्थ बजट पर चर्चा की। डॉ. रवि वानखेडकर ने मेडिकल एथिक्स के बारे में व्याख्यान दिया। इसी के साथ अन्य सत्रों में डॉ. राहुल कट्टा, डॉ. आशीष जाखेटिया, डॉ. रोहित रेबेलो, डॉ. मनन सरुपरिया, डॉ. देवेंद्र सरीन, डॉ. योगेश कुमार शर्मा, डॉ. एमके गुप्ता, डॉ. संजय गांधी सहित अनेक चिकित्सकों ने अलग-अलग विषयों पर व्याख्यान दिए। चिकित्सा पद्धतियों में होने वाले आधुनिक बदलावों के बारे में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने जूनियर डॉक्टरों और रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए सेशन रखे गए। कार्यक्रम के दौरान हुई प्रेस वार्ता में डॉ. आरवी असोकन के साथ डॉ. रजनीश शर्मा, स्टेट प्रेसीडेंट राजस्थान, डॉ. दुष्यंत शर्मा, राधेश्याम सोमानी, डॉ. फरियाद मोहम्मद, डॉ. रविकांत, डॉ. पीसी गर्ग और डॉ. अशोक शारदा उपस्थित थे।

**अच्छाई का मार्ग बुराई के मार्ग से कठिन होता है।**